।। वाड़ी परियोजना से रूबरू हुए नाबार्ड जयपुर के प्रबंधक अरविंद निगम ।।

।। किसानो ने बताई सफलता की कहानी ।।

बांसवाडा 24.5..2014

नाबार्ड जयपुर के **प्रबंधक अरविंद निगम** व ट्रस्ट के अधिकारीयो द्वारा ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा संचालित बांसवाड़ा वाड़ी विकास कार्यक्रमो का अवलोकन किया गया। कार्यक्रमो के दौरान जिले के डूंगरीपाड़ा, नालपाडा, नानीकासाथ बिलीपाडा, डुंगरभीत आदि गांवो मे किसानो द्वारा लगाई गई वाड़ी योजना अंतर्गत् फलदार पौधो, वानिकी पौधो की वाड़ीया देखी तथा किसानो से रूबरू होकर वास्तविक स्थिति का पता किया। इसके साथ परियोजना अंतर्गत् किये गये जल संरक्षण, फसल सुधार व महिला विकास, अनाज बैंक, बकरीपालन आदि कार्यक्रमो का अवलोकन किया। अवलोकन के दौरान **रमण भाई / मगन मछार ग्राम – डूंगरी पाड़ा** के किसान **रमण भाई पिता मगन मछार** ने बताया कि वाड़ी परियोजना से जुड़ने से पहले मजदुरी करने जाता था तथा रोज की मजदूरी मिलना भी निष्चित नही रहता था कभी मजदूरी मिलती तो कभी खाली हाथ ही घर लौटना पड़ता था साथ ही वह खेती मे खरीफ फसल अन्तर्गत् केवल मक्का उत्पादन ही करता था जिससे किसी वर्ष अधिक बरसात तो किसी वर्ष कम बरसात की वजह से अपेक्षित उत्पादन प्राप्त नही कर पाता था जिस कारण उसकी आर्थिक स्थिती अच्छी नही थी साथ ही सामाजिक रिति रिवाज एवं परिवार की जिम्मेदारियो ने उसे और कमजोर कर दिया जिसके कारण वह ब्याज से रूपया उधार लेने को मजबूर हो गया था। सन् 2012 मे **वाड़ी परियोजना** से जुडा प्रषिक्षणो मे भाग लिया तथा वाड़ी लगाने के साथ साथ सब्जी उत्पादन का कार्य शुरू किया। सर्वप्रथम संस्था द्वारा हाईब्रीड भिण्डी व गवार फली के बीजो को अपनी वाड़ी के फलदार पौधो के बीच मे लगाया तथा संस्था द्वारा बताये गये तरीको को अपनाते हुए सब्जी उत्पादन का कार्य प्रारम्भ किया। शुरूआत मे सिंचाई की व्यवस्था कमजोर होने से पास के अन्य किसान के कुए से पाईप लाईन द्वारा पानी लाकर सब्जी के पौधो की सिंचाई की व्यवस्था की और जब ग्वार व भिण्डी लगना शुरू हो गई तब रमणलाल द्वारा निकट के कुषलगढ़ बाजार मे उन्हे विक्रय करना प्रारम्भ किया गया तथा प्रतिदिन रू 400 से 500 की भिण्डी व ग्वार की बिक्री की तथा कुल अबतक 19,000 रू. की बिक्री की है वर्तमान मे किसान के खेत पर 40 अनार व नीबू के पौधे लगे है

इसी प्रकार **मांगु / हूरपाल ग्राम देवदासाथ** ने बताया की मेने गत बर्ष परियोजना से जुडने के बााद सब्जी उत्पादन प्रारम्भ किया गया तथा उसके द्वारा प्रतिदिन लगभग रू. 400 – 500 की सब्जी बेची गई तथा पूरे सीजन मे रू. 25000 से 30000 की सब्जी बेची गई वर्तमान मे किसान के खेत पर 40 अनार व नीबू के पौधे लगे है

अवलोकन के अतं मे ग्राम बिलीपाड़ा में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया ग्रामीण विकास ट्रस्ट के **जिला कार्यक्रम प्रबंधक हरेन्द्र कुमार तोमर** बताया कि बांसवाड़ा कार्यालय अंतर्गत संस्था द्वारा वर्तमान मे नाबार्ड द्वारा अनुदानित 5 वाड़ी विकास कार्यक्रम व 1 जल ग्रहण विकास कार्यक्रम संचालित किये जा रहे है। नाबार्ड जयपुर के **प्रबंधक अरविंद निगम** ने नाबार्ड द्वारा सचालित विभिन्न योजनाओ की जानकारी दी इस अवसर पर ग्रामीण विकास ट्रस्ट के कार्यक्रम अधिकारी, नितीन जोषी कार्यक्रम प्रबंधक उदयलाल गुर्जर तथा ट्रस्ट के जानकार दिनेष, सुरेष ने अपने विचार व्यक्त किये तथा कार्यक्रम मे सहयोग दिया।

एच. के. तोमर
जिला कार्यक्रम प्रबंधक

Snapshots of the Event

News Coverage

दैनिक नवज्योति
dainiknavajyoti.com
उदयपुर, रविवार, 25 मई 2014

वाड़ी ने बदली तकदीर

न्यूज सर्विस/बांसवाड़ा

वाड़ी परियोजना ने इस जनजाति क्षेत्र के कई कृषकों की तकदीर बदल दी है। पहले जहां ये किसान मजदूरी के लिए रोजाना लंबा सफर और कभी-कभी तो पड़ौसी राज्यों में पलायन तक करते थे, लेकिन वाड़ी परियोजना ने इन लोगों को अब अपनी ही माटी पर आर्थिक आधार देना शुरू कर दिया है। नाबार्ड के प्रबंधक अरविन्द निगम ने वाड़ी परियोजना से अपनी तकदीर बदलने वाले किसानों से जब बातचीत की तो उन्हें सुखद अहसास हुआ कि ये योजना लोगों को वास्तविक लाभ दिला रही है।

निगम ने परियोजना के अंतर्गत किये गये जल संरक्षण, फसल सुधार, महिला विकास, अनाज बैंक, बकरी पालन आदि कार्यक्रमों का अवलोकन किया तो उन्हें किसानों ने अपने बदले हालातों की सुखद कहानी बयां की। ग्राम डूंगरीपाड़ा के कृषक रमण पुत्र मगन मछार ने बताया कि पहले वह मजदूरी करने के लिए जाता था, लेकिन अनिश्चितता की स्थितियां बनी रहती थी कि काम मिलेगा या नहीं। वह अपने खेतों में केवल मक्का का उत्पादन ही करता आया। किसी वर्ष कम वर्षा होने से अपेक्षित उत्पादन नहीं हो पाता तो वहीं सामाजिक रिती-रिवाज एवं पारिवारिक जिम्मेदारियों ने उसे कमजोर बना दिया था। 2012 में वह जीवीटी के माध्यम से वाड़ी परियोजना से जुड़े प्रशिक्षणों में गया और वाड़ी लगाने के साथ ही सब्जी उत्पादन भी शुरू किया। संस्था ने हाईब्रीड भिण्डी व गवार फली के बीजों को मुहैया करवाया, जिसे उसने वाड़ी के फलदार पौधों के बीच लगाया। पास के किसान के कुएं से पाइप लाइन लेकर उसने सब्जी और फल उत्पादन शुरू किया और आज उसकी तकदीर बदल गयी है। इन सब्जियों ने उसके आर्थिक आधार को मजबूती प्रदान की। इसी तरह देवदासाथ के मांगु पुत्र हुरपाल ने बताया कि अब वह सोजन में 25-30 हजार की आमदनी सब्जी और फलों से कर लेता है। अवलोकन के पश्चात् बिलीपाड़ा में किसान गोष्ठी हुई, जिसमें जीवीटी के कार्यक्रम प्रबंधक हरेन्द्र कुमार तोमर ने बताया कि नाबार्ड द्वारा अनुदानित 5 वाड़ी विकास कार्यक्रम व 1 जल ग्रहण विकास कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

इस अवसर पर ग्रामीण विकास ट्रस्ट के कार्यक्रम अधिकारी नितीन जोशी, प्रबंधक उदयलाल गुर्जर, दिनेश, सुरेश आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

बांसवाड़ा। कृषकों के खेतों में वाड़ी परियोजना की सफलता की तस्वीरें देखते नाबार्ड के प्रबंधक अरविन्द निगम। -दीपक भारत श्रीमाल